(रचनावादी उपागम में आकलन की विवेचना

रचनावादी उपागम में आंकलन के निम्नलिखित उद्देश्य होते हैं।

I - रचनावाद के प्रभाव को समझना

II - आंकलन पर रचनावाद सिद्धान्त का आरोपण

III - परम्परागत आंकलन और आंकलन के रचनावाद के मध्य अन्तर खोजना

IV - आंकलन को समझने में प्रवृत्तियों की व्याख्या करना।

रचनावाद और आकलन (Constructivism & Assessment)

रचनावाद से सम्बन्धित साहित्य में तीन कॉन्सेप्ट्स प्राप्त होते हैं। तथा अधिगम पर्यावरण के लिये निहितार्थ ज्ञात होते हैं वे हैं —

(1) अधिगम एक क्रियाशील प्रक्रिया

(2) सीखने वाला (छात्र में कुछ पूर्व ज्ञान होता है

(3) सीखने वाला अपने अधिगम का स्वयं उत्तरदायित्व लेता है।

उक्त तीनों विचारों को द्वारा निम्न विश्लेषण के केन्द्र बिन्दु हैं। इन विचारों की क्रियात्मकता निम्न सूचना द्वारा की जा सकती है।

1 - आंकलन में पृष्ठपोषण शामिल होती हैं।

2 - आकलन में ज्ञान और समझ का आरोपण सम्मिलित होता है।

3 - आकलन में तकनीकों के विस्तार का प्रयोग होता है।

4 - अधिगम की प्रक्रिया आकलन की समाप्ति में समाप्त नहीं होती

(5) छात्र आरोपण के द्वारा ज्ञान का प्रदर्शन करते हैं

(6) - आरोपण, मूल्यांकन विश्लेषण और संश्लेषण आदि

विभिन्न प्रकार के कार्यों का वर्णन करें ⟹

Discuss the different kinds of tasks:

असाइनमेंट (Assignment) ⟹

होम असाइनमेंट (Home Assignment) स्कूल असाइनमेंट (School As)

Scanned with CamScanner

Home Assignment
गृह कार्य

इसके अन्दर छात्र शिक्षक के द्वारा दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखते हैं यहां शिक्षक छात्रों को विभिन्न स्त्रोतों के नाम तथा सन्दर्भ ग्रन्थों की जानकारी बताता है। छात्र उन सभी सन्दर्भ ग्रन्थ एवं पाठ्यवस्तुओं को व्यवस्थित करके दिये गये प्रश्नों के उत्तर ढूंढता है उक्त प्रश्नों को भली-भांति पूरा करके वह अपनी नोटबुक शिक्षक के पास जमा करा देता है। शिक्षक उत्तरों को जांच करता है उनमें त्रुटियां खोजता है तथा आवश्यकता अनुभव करने पर छात्रों से अन्य पुस्तक पढ़ने की सलाह के साथ उसे वापस कर देता है।

स्कूल असाइनमेंट (School Assignment)

स्कूल असाइनमेन्ट के अन्तर्गत प्रयोगशाला में किये गये प्रयोगों सम्बन्धी निष्पादनों को सम्मिलित किया जाता है। शिक्षक प्रयोगों के आधार पर ही कुछ प्रश्नों के उत्तर पूछता है। ऐसी परिस्थिति में 4 घण्टे निर्धारित किये जाते हैं तथा 2 घण्टे छात्रों द्वारा स्वयं प्रयोगशाला में स्वतन्त्र रूप से कार्य के लिए रखे जाते हैं। इसमें शिक्षक एक प्रपत्र देता है छात्रों को देता है छात्र पढ़कर उनके प्रश्नों के उत्तर देते हैं।

एक उत्तम असाइनमेण्ट की कसौटियां
Criteria of a Good Assignment

1 – असाइनमेण्ट प्रकरण के सन्दर्भ में ही दिया जाना चाहिए
2 – असाइनमेण्ट का उद्देश्य स्पष्ट होना चाहिए
3 – यह संक्षिप्त तथा बिन्दुबद्ध होना चाहिए जिससे कि छात्र इनके सरलता पूर्वक अध्ययन कर सकें।

Scanned with CamScanner

4 – असाइनमेण्ट में शिथिलता होनी है तथा इस पाठ्यवस्तु विषय से सम्बन्धित होना चाहिए।

5 – असाइनमेण्ट छात्रों में उच्च चिन्तन करने वाला होना चाहिए।

6 – असाइनमेन्ट छात्रों में उच्च चिन्तन उत्पन्न करने वाला होना चाहिए।

7 – असाइनमेन्ट छात्रों की आयु, बुद्धि शैक्षिक स्तर को ध्यान में रखकर देना चाहिए।

II – योजना (project) ⇒ योजना के दौरान विद्यार्थियों को जानकारी वास्तविक से रूबरू होने का मौका मिलता है किसी विशेष के अध्ययन में उन्होंने जो सिद्धान्त पढ़े हैं वास्तव में उनको किस सीमा तक योजना बद्ध किया गया है। Exm – शिक्षण आदिगम के अनेक उद्देश्य होते हैं इनके योजना की सहायता से इस सैद्धान्तिक जानकारी को प्रमाणित किया जा सकता है।

किलपैट्रिक के अनुसार, योजना सामाजिक वातावरण में दिल से की जाने वाली प्रक्रिया उद्देश्य पूर्ण प्रक्रिया है।

Steps of Project :–

योजना के चरण ⇒ निम्नलिखित है ⇒

1 – समस्या को परिभाषित करना ⇒

2 – योजना बनाना –
  1. संगठन का चयन
  2. समय सारणी तैयार करना
  3. प्रश्नावली तैयार करना

3. पूछताछ करना

4. सूचनाओं का संपादन

5. सूचनाओं का विश्लेषण

6. सूचनाओं का संश्लेषण

7. प्रतिवेदन तैयार करना

Scanned with CamScanner

योजना कार्य का महत्व ! (Importance of Project Work)

योजना का कार्य का महत्व निम्नलिखित है। :-

1. गहन जानकारी प्रदान करना ⟹
2. सृजनात्मकता का विकास !
3. स्वतन्त्र विचार शक्ति का विकास !
4. —

विभिन्न प्रकार के परीक्षणों का वर्णन करें।

1 – व्यक्तिगत परीक्षण (Individual Test)
2 – सामूहिक परीक्षण (
3 – मौखिक और परीक्षण
4 – गति परीक्षा (Speed Test)
5 – प्रमाणीकृत परीक्षण (Standardization Test)
6 – बुद्धि परीक्षण (Intelligence Test)
7 – विशिष्ट अभियोग्यता परीक्षण (Test of Special Ability)
8 – A निष्पत्ति उपलब्धि परीक्षण (Achievements Test)
9 – पूर्व कथन परीक्षण (Prognostic Tests)
10 – विश्लेषणात्मक परीक्षण (Analytical Test)
11 – निपुणता परीक्षण (Mastery Tests)
12 –
13 – रुचि – परीक्षण (Interests Inventories)
14 – अभिवृत्ति परीक्षण (Aptitude Test)
~~15 –~~ ~~Sch~~

Scanned with CamScanner

उपलब्धि परीक्षण निर्माण के सिद्धान्त

Principles Of Achievement test Construction

परीक्षण निर्माण के सिद्धान्त (General Principle of Test Construction)

परीक्षण निर्माण के मुख्य सिद्धान्त निम्न हैं—

1. किसी भी प्रकार के परीक्षण से विषय विशेष के सभी उद्देश्यों की परीक्षा नहीं की जा सकती है।
2. परीक्षा का प्रारूप अत्यन्त व्यापक (Comprehensive) होना चाहिए।
3. द्वि-अर्थी एवं भ्रामक प्रश्नों को परीक्षा में स्थान नहीं देना चाहिए
4. परीक्षा का उचित नामकरण करना चाहिए।
5. प्रश्नों की भाषा सरल, सुबोध, संक्षिप्त एवं स्पष्ट होनी चाहिए।
6. प्रत्येक प्रश्न स्वतंत्र होना चाहिए। प्रश्न में प्रश्न का उत्तर देने का प्रयास नहीं करना चाहिए। ऐसी स्थिति परीक्षार्थी को दुविधा में डाल सकती है।
7. परीक्षा सम्बन्धी विशिष्ट उदाहरण समक्ष दिया जाना चाहिए।
8. परीक्षार्थियों को उत्तर लिखने के लिए पर्याप्त स्थान दिया जाना चाहिए।
9. परीक्षा सम्बन्धी सामान्य निर्देश प्रारम्भ में ही दिए जाने चाहिए।
10. ऐसे प्रश्न बनाये जाये जिससे छात्रों के ज्ञान की व्यवहारिक क्षमता का मूल्यांकन किया जा सके।

Scanned with CamScanner

/ 9010581487

Ans- उपलब्धि परीक्षण का अर्थ !

क्योंकि आने वाली तरूण पीढ़ी के समझ अपने अनुभव एवं मूल्य इस उद्देश्य से रखता है ताकि वे सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा कर सके एवं उनके व्यवहार में अपेक्षित परिवर्तन हो । बालक